Humanities & Management Science Department
Madan Mohan Malaviya University of Technology, Gorakhpur

Faculty Development Programme on 'ICT in Advanced Teaching & Learning for Academicians: A Gateway to Excellence'

Department of Humanities and Management Science, in association with E&ICT Academy, National Institute of Technology, Patna organized a Faculty Development Programme on 'ICT in Advanced Teaching & Learning for Academicians: A Gateway to excellence' during October 14th-18th, 2019 with sponsorship from TEQIP-III.

Hon'ble Vice Chancellor Prof. S N Singh inaugurated the event along with keynote speaker Dr. Sunita Bharatwal, Department of Commerce & Management, CBLU, Bhiwani and Prof. S C Jayswal, Head, Humanities & Management Science Department. Dr. Amit Kumar KNIT Sultanpur; Dr. Virendra Kumar, KNIT Sultanpur; Dr. Sudhir N. Singh, Dr. Ravi Kumar Gupta, Dr. Abhijit Mishra, and Dr. Rajesh Singh from MMMUT delivered invited lectures during the FDP. The event witnessed participation of more than 100 faculty members from MMMUT and other technical institutions. The FDP covered introductory and advanced ICT tools for teaching and learning aimed at overall improvement of faculty and students. The FDP specifically covered topics such as ICT in teaching and learning; use of referencing software such as Mendeley, EndNote and Zotero; elementary concepts of writing; use of document processing tools- MS Word, LaTeX and Overleaf; use of Grammarly plugin in MS Word for auto correction of word, syntax and grammar; and to explore the benefit of Digital Classroom and encourage 21st Century work habits. The event was attended by more than 108 PG students and faculty members from MMMUT and other institutions.

बदलाव के दौर में शिक्षक की भूमिका है अहम

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

सूचना क्रांति के इस दौर में सूचना का प्रवाह तेज हुआ है पर सूचना अपने आप में ज्ञान नहीं है। सूचना का प्रयोग समाज और मानवता के भले के लिए कर सकने की क्षमता ज्ञान होती है। संचार क्रांति के दौर में भी शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है। दुनिया के लगातार बदलने के कारण शिक्षकों की भूमिका भी बदलती रहती है। एक अच्छा शिक्षक लगातार अपना परिष्कार करता है और समय के साथ अपनी बदलती भूमिकाओं को समझ कर उसके अनुरूप आचरण करता है।

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं प्रबंध विज्ञान विभाग में 'आईसीटी इन एडवांस्ड टीचिंग एंड लर्निंग फॉर एकेडमीशियंसः ए गेटवे टू एक्सीलेंस' विषयक एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में ये बातें कुलपति प्रो. एसएन सिंह ने कहीं। समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अध्ययन अध्यापन एकपक्षीय प्रक्रिया नहीं है, इस प्रक्रिया में छात्रों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गयी है। शिक्षक क्या सिखाता है वह तो महत्वपूर्ण है ही, पर आप क्या सीखते हैं यह भी महत्वपूर्ण है।

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग की डॉ. सुनीता भरतवाल ने अपने बीज वक्तव्य में सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा की गुणवत्ता के अंतर्संबंधों की चर्चा की। कहा कि एक समय था जब भारत में नालंदा व तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय पूरी दुनिया के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आकृष्ट करते थे। वर्तमान में भारत का कोई भी विश्वविद्यालय शीर्ष 100 संस्थानों में भी जगह नहीं बना पा रहा है, यह चिन्तानक है।

एमएमएमयूटी

- एमएमएमयूटी में संकाय विकास कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में बोले कुलपति
- दुनिया बदलने के साथ ही शिक्षकों की भूमिका भी लगतार बदलती रहती है: प्रो. सिंह

सूचना प्रौद्योगिकी के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें

सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा शिक्षण के विभिन्न माध्यमों की चर्चा करते हुए उन्होंने ई-पीजी पाठशाला, इनफिलबनेट सेंटर, स्वयं पोर्टल, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ई-कंटेंट आदि के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों से कहा की सूचना प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण संसाधन है जिसका उपयोग आप अपनी क्षमता वृद्धि के लिए कर सकते हैं।

विभागीय गतिविधियों पर चर्चा की

विभागाध्यक्ष प्रो. एससी जायसवाल ने विभागीय गतिविधियों की चर्चा की। समन्वयक डॉ. सुधीर नारायण सिंह ने इस संकाय विकास कार्यक्रम के उद्देश्यों को बताया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रवि कुमार गुप्ता व संचालन डॉ. अभिजित मिश्र ने किया। कार्यक्रम में आयोजन सचिव डॉ. राजेश सिंह, डॉ. विनय कुमार यादव, इं. वीरेंदर पुष्कर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। तकनीकी सत्र में कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान के डॉ. अनिल कुमार ने परंपरागत और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण प्रविधियों के अन्तर को रेखांकित किया।

एमएमएमयूटी में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. एसएन सिंह व अन्य ●जागरण

अच्छा शिक्षक सिखाता ही नहीं सीखता भी है : प्रो. एसएन सिंह

एमएमएमयूटी में सात दिनी फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यशाला की शुरुआत

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : सूचना क्रांति के इस दौर में सूचना का प्रवाह बढ़ा और तेज हुआ है, पर सूचना अपने आप में ज्ञान नहीं है, बल्कि सूचना का प्रयोग समाज और मानवता के भले के लिए कर सकने की क्षमता ज्ञान होती है। इसीलिए, सूचना और संचार क्रांति के इस दौर में भी शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है। एक अच्छा शिक्षक केवल सिखाता नहीं है बल्कि लगातार सीखता भी रहता है।

यह कहना है मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एसएन सिंह का। वह सोमवार से विश्वविद्यालय में शुरू हुए फैकल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम में अपने विचार रख रहे थे। सात दिनी कार्यशाला के पहले दिन उन्होंने कहा कि एक अच्छा शिक्षक लगातार अपना परिष्कार करता रहता है और समय के साथ अपनी बदलती भूमिका को समझ कर उसके अनुरूप आचरण करता है। कार्यशाला का आयोजन मानविकी एवं प्रबंध विज्ञान विभाग में हो रहा है। इससे पहले सीबीएल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा से आईं डॉ. सुनीता भरतवाल ने सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा की गुणवत्ता के अंतर्संबंधों की चर्चा की। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा शिक्षण के विभिन्न माध्यमों की चर्चा करते हुए ई-पीजी पाटशाला, इनफिलबनेट सेंटर, स्वयं पोर्टल, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस, ई-कंटेंट आदि के बारे में बताया। स्वागत वक्तव्य के दौरान मेजबान विभागाध्यक्ष प्रो. एससी जायसवाल ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन के विभिन्न पक्षों को प्रभावित किया है और इससे शिक्षण भी अछूता नहीं है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुधीर नारायण सिंह ने इस संकाय विकास कार्यक्रम के उद्देश्यों बाबत जानकारी दी।

****